

न्यायालय: माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश  
जिला ग्वालियर

प्र. क्र. रि.व्यू/अध्यक्ष/ /2014 रि.व्यू 1502-PBR/14

हरीसिंह कुशवाह पुत्र श्री काशीराम कुशवाह  
निवासी ग्राम अजयपुर तहसील व जिला  
ग्वालियर .....आवेदक

बनाम

1. अमरसिंह उर्फ बच्चूसिंह पुत्र श्री काशीराम कुशवाह
2. मानसिंह स्व०श्री काशीराम कुशवाह
3. राजो पुत्र स्व०श्री काशीराम कुशवाह निवासी ग्राम अजयपुर तहसील व जिला ग्वालियर .....अनावेदकगण

श्री. जगदीश शर्मा, एस. १५,  
दावा आज दि. १३/०४/१४ को  
स्तुत  
क्लर्क ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

म०प्र०भूराजस्व संहिता की धारा 51 के अंतर्गत माननीय अध्यक्ष महोदय (स्वदीपसिंह) राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर की निगरानी क्रमांक 370/पी०बी०आर/ 2014 में पारित आदेश दिनांकी 11.04.201 के निर्णय के विरुद्ध रि.व्यू

श्रीमान जी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

---

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यू 1502-पीबीआर/14

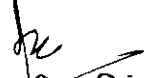
जिला ग्वालियर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
6-6-2014	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 सहपठित व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 114 तथा आदेश 47 नियम 1 में पुनर्विलोकन हेतु निम्नलिखित आधारों का उल्लेख किया गया है :-</p> <ol style="list-style-type: none"><li>1 किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो सम्यक् तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी, या</li><li>2 मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती, या</li><li>3 कोई अन्य पर्याप्त कारण</li></ol> <p>2 आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्कों में ऐसी कोई साक्ष्य या बात नहीं बताई गई है, जो आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं कर सकते थे । उनके द्वारा अभिलेख से परिलक्षित त्रुटि भी नहीं बतलाई गई है । केवल इस न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्षों में त्रुटि बतलाने का प्रयास किया गया है, जो पुनर्विलोकन</p>	



रिज्यू 1502-PR/114 2011

का आधार नहीं हो सकता है । अतः यह पुनर्विलोकन प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है ।

  
(स्वदीप सिंह)  
अध्यक्ष